Series RSH/1/C

कोड नं. **3/1/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 15 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम अ)
(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

यद्यपि तुलसी ने अनेक ग्रंथों की रचना करके अपनी काव्य-प्रतिभा का परिचय दिया तथापि रामचरितमानस उनकी सर्वोपरि रचना है । इस अनुपम ग्रंथ की गणना विश्व-साहित्य के सर्वश्रेष्ठ रत्नों में की जाती है । इसका रूपांतर विश्व की प्रायः सभी भाषाओं में हो चुका है । रामचरितमानस महाकाव्य है । इस ग्रंथ में राम की कथा सात खंडों में विभक्त है । मानस की कथा का मूलाधार वाल्मीकि रामायण, वेद-पुराण आदि ग्रंथ हैं । इन धार्मिक ग्रंथों से नीति, शिक्षा और उपदेश की सामग्री लेकर तुलसी ने मानस की रचना की है । यही कारण है कि मानस पाठकों के जीवन के लिए आदर्श है । यह महाकाव्य लोकहित की भावना से ओत-प्रोत है । मानस मानव-मन का दर्पण है । इसमें मानव-स्वभाव का स्वाभाविक चित्रण है ।

(i) मानस पाठकों के जीवन के लिए आदर्श है, क्योंकि उसमें

(क) पठनीय सामग्री है

(ख) विचारों की पुष्टिकारक सामग्री है

(ग) ग्रहण करने योग्य बातें हैं

(घ) नैतिक और शैक्षणिक बातें निहित हैं

(ii) 'इसका रूपांतर सभी भाषाओं में हुआ है' । 'रूपांतर' का अर्थ है

(क) रूप में बदलाव

(ख) सामग्री में बदलाव

(ग) भाषा में बदलाव

(घ) आकार में बदलाव

(iii) रामकथा के साथ-साथ इस ग्रंथ में है

(क) कवि का जीवन-परिचय

(ख) शिक्षा और उपदेश

(ग) जीवन की कला

(घ) मानव-स्वभाव की व्याख्या

(iv) 'लोकहित' शब्द में समास है

(क) तत्पुरुष

(ख) द्वंद्व

(ग) बहुव्रीहि

(घ) अव्ययीभाव

(v) 'यही कारण है कि मानस पाठकों के लिए आदर्श है ।' यह वाक्य है

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्र

(घ) कठिन

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

धन का व्यय विलास में करने से केवल क्षणिक आनंद की प्राप्ति होती है, जबकि यह धन का दुरुपयोग है, किन्तु धन का सदुपयोग सुख और शांति देता है । धन के द्वारा जो सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण कार्य हो सकता है वह है परोपकार । भूखों को अन्न, नंगों को वस्त्र, रोगियों को दवा, अनाथों को घर-द्वार, लूले-लँगड़ों और अपाहिज़ों के लिए आराम के साधन, विद्यार्थियों के लिए पाठशालाएँ इत्यादि वस्तुएँ धन के द्वारा जुटाई जा सकती हैं । धन होने के कारण एक अमीर आदमी को लोगों की भलाई करने के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं, जो कि एक ग़रीब आदमी को उपलब्ध नहीं हैं, चाहे वह इसके लिए कितना ही इच्छुक क्यों न हो । पर संसार में ऐसे आदमी बहुत कम हैं जो अपना भोग-विलास त्यागकर अपने धन को परोपकार में लगाते हैं ।

(i) धन का सदुपयोग है

(क) भोग में

(ख) त्याग में

(ग) उपकार में

(घ) मिल-बाँटकर उपयोग में

(ii) दूसरों की भलाई के लिए ज़रूरी है

(क) इच्छा का होना

(ख) अवसर प्राप्त होना

(ग) साथियों की सलाह

(घ) धन का होना

(iii) भोग-विलास का त्याग करके धन का सदुपयोग करने वाले ही

(क) जीवन में सुख-शांति प्राप्त करते हैं

(ख) क्षणिक आनन्द ग्रहण कर पाते हैं

(ग) यश-कीर्ति के भागी बनते हैं

(घ) सबके प्रिय बन जाते हैं

(iv) 'महत्त्व' शब्द में प्रत्यय है

(क) व

(ख) त्व

(ग) त्त्व

(घ) हत्त्व

(v) 'भलाई' शब्द की व्याकरणिक कोटि है

(क) संज्ञा

(ख) विशेषण

(ग) क्रिया

(घ) क्रिया-विशेषण

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए : *1×5=5*

प्राइवेट बस का ड्राइवर है तो क्या हुआ ?
सात साल की बच्ची का पिता तो है ।
सामने गीयर से ऊपर
हुक से लटका रखी हैं
काँच की चार गुलाबी चूड़ियाँ ।
बस की रफ़्तार के मुताबिक
हिलती रहती हैं,
झुक कर मैंने पूछ लिया,
खा गया मानो झटका ।
अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रौबीला चेहरा
आहिस्ते से बोला : हाँ सा'ब
लाख कहता हूँ नहीं मानती मुनियाँ ।

(i) 'बच्ची का पिता तो है' – पंक्ति का आशय है
(क) बच्ची का पिता कहलाना
(ख) बच्ची के साथ लगाव होना
(ग) बच्ची के प्रति संवेदनशील होना
(घ) बच्ची के प्रति कर्त्तव्य निभाना

(ii) बच्ची ने चूड़ियाँ क्यों टाँग रखी हैं ?
(क) ताकि सदा खनकती रहें
(ख) हुक को सजाती रहें
(ग) अब्बा की नजरों के सामने रहें
(घ) बेटी की याद दिलाती रहें

(iii) 'लाख कहता हूँ नहीं मानती है मुनियाँ' पंक्ति का भाव है कि लड़की

(क) पिता को बहुत चाहती है

(ख) बहुत ज़िद्दी है

(ग) आज्ञाकारी नहीं है

(घ) चूड़ियों की शौक़ीन है

(iv) 'नहीं मानती मुनियाँ' में अलंकार है

(क) उपमा

(ख) रूपक

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) अनुप्रास

(v) ड्राइवर झटका क्यों खा गया ?

(क) एकदम ब्रेक लगाने से

(ख) पूछने वाले को देखने से

(ग) बस स्टाप आ जाने से

(घ) पुत्री की याद आने से

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

जिस पर गिर कर उदर-दरी से तुमने जन्म लिया है
जिसका खा कर अन्न, सुधा-सम नीर-समीर पिया है ।
वह स्नेह की मूर्ति दयामयि माता-तुल्य मही है
उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं है ?
पैदा कर जिस देश-जाति ने तुमको पाला-पोसा ।
किए हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा
उससे होना उऋण प्रथम है सत्कर्त्तव्य तुम्हारा
फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।

(i) 'जिसका खा कर अन्न' – पंक्ति में 'जिसका' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(क) माँ के लिए

(ख) पिता के लिए

(ग) धरती के लिए

(घ) समीर के लिए

(ii) कवि मातृभूमि के प्रति किस कर्त्तव्य का स्मरण करा रहा है ?

(क) सीमाओं की सुरक्षा का

(ख) दायित्वों के निर्वाह का

(ग) सबकी भलाई का

(घ) सांस्कृतिक संपन्नता के प्रयासों का

(iii) 'स्नेह की मूर्ति' किसे कहा गया है ?

(क) उदर-दरी को

(ख) नीर-समीर को

(ग) माता-तुल्य मही को

(घ) जन्म देने वाली माँ को

(iv) 'पैदा कर जिस देश-जाति ने तुमको पाला-पोसा' में अलंकार है

(क) उपमा

(ख) रूपक

(ग) अनुप्रास

(घ) यमक

(v) कवि किसके ऋण से उऋण होने की बात कह रहा है ?

(क) उदर-दरी के

(ख) अन्न देने वाली मही के

(ग) भरण-पोषण करने वाली मातृभूमि के

(घ) अपने माता-पिता के

खण्ड ख

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए : *1×5=5*

(क) रमेश तीसरी कक्षा में पढ़ता है ।

(ख) शीला ज़ोर-ज़ोर से हँस रही थी ।

(ग) यह थैला मेरे छोटे भाई का है ।

(घ) जल्दी जाओ, भाई को बुला लाओ ।

(ङ) जब वे यहाँ आए तभी मैं चला गया था ।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर दीजिए : *1×5=5*

(क) सुबह उठकर उसने दूध पिया । (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

(ख) झूठ बोलने वालों पर कोई विश्वास नहीं करता । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) मेरे समझाने पर वह मान गई । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(घ) उस लड़की को बुलाओ जो अख़बार पढ़ रही है । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ङ) जो महिला अधिवेशन को सम्बोधित करने के लिए उठी वह बहुत सुंदर थी ।

(सरल वाक्य में बदलिए)

7. कोष्ठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर लिखिए : *1×5=5*

(क) वह खाना खाकर चला गया । (वाच्य का प्रकार लिखिए)

(ख) मोहन से चढ़ा नहीं जाता । (वाच्य का प्रकार लिखिए)

(ग) शोभना से पढ़ा नहीं जाता । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) दीप्ति द्वारा नहीं लिखा जाता । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ङ) शोभित ने पिता जी को बुलाया । (कर्मवाच्य में बदलिए)

8. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकार बताइए : *1×5=5*

(क) चारु चंद्र की चपल चाँदनी चमक रही यमुना जल में ।

(ख) रति रति सोभा सब रति के सरीर की ।

(ग) मखमल के झूल पड़े हाथी-सा टीला ।

(घ) चरण-कमल की करौं वंदना ।

(ङ) अंबर पनघट में डुबो रही तारा-घट उषा-नागरी ।

खण्ड ग

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प छाँटिए : *1×5=5*

काशी में संगीत-आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्‌भुत परंपरा है । यह आयोजन पिछले कई बरसों से संकटमोचन-मंदिर में होता आया है । यह मंदिर शहर के दक्षिण में लंका पर स्थित है व हनुमान-जयन्ती के अवसर पर यहाँ पाँच दिनों तक शास्त्रीय उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभा होती है । इसमें बिस्मिल्ला अवश्य रहते हैं । अपने मज़हब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है । वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते हैं, थोड़ी देर ही सही, मगर उसी ओर शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है ।

(i) काशी के संगीत-आयोजन में बिस्मिल्ला खाँ अवश्य रहते थे, क्योंकि

(क) काशी ही उनका निवास-स्थान है

(ख) वे महान संगीतकार थे

(ग) वहाँ आने-जाने की सुविधा रहती है

(घ) वे समन्वयवादी और उदार थे

(ii) कौन-सा कथन बिस्मिल्ला खाँ के बारे में सच नहीं है ?

(क) वे अपने मज़हब के प्रति समर्पित थे

(ख) काशी उन्हें बहुत प्यारी थी

(ग) वे धार्मिक दृष्टि से कट्टरपंथी थे

(घ) बालाजी में उनकी अपार श्रद्धा थी

(iii) काशी के प्रति उनकी अपार श्रद्धा का पता चलता है

(क) सदा काशी में ही रहने से

(ख) नित्य-प्रति मंदिर में जाने से

(ग) विश्वनाथ-मंदिर की ओर मुँह करके शहनाई बजाने से

(घ) धर्म के प्रति कट्टर न होने से

(iv) वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते हैं । यह वाक्य है

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्र

(घ) जटिल

(v) 'संकटमोचन' का अर्थ है

(क) संकट और मुक्ति

(ख) संकट द्वारा मुक्ति

(ग) संकटों से मुक्ति

(घ) संकटों को कम करने वाला

अथवा

गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया । सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ । नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थी । अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते ।

(i) लेखिका के पिताजी के व्यक्तित्व को कुछ अंशों में नकारात्मक बनाया था

(क) उनके क्रोध ने

(ख) माताजी के व्यवहार ने

(ग) बच्चों की ज़रूरतों ने

(घ) आर्थिक हालात ने

(ii) पिताजी बच्चों से किस विषय में बातें नहीं करते थे ?

(क) बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के बारे में

(ख) घर की ग़रीबी के बारे में

(ग) माताजी की कार्यशैली के बारे में

(घ) घर में आने वाले लोगों के बारे में

(iii) पिताजी को शक्की बना दिया था

(क) नवाबी आदतों ने

(ख) अधूरी महत्त्वाकांक्षाओं ने

(ग) अपनों ही से प्राप्त विश्वासघात ने

(घ) पिछड़ते जाने के दर्द ने

(iv) प्रस्तुत अनुच्छेद में वर्णन है

(क) घर में पैर फैलाती अव्यवस्था का

(ख) टूटती-गिरती आर्थिक स्थिति का

(ग) पिताजी की शक्की मनोदशा का

(घ) पिताजी के व्यक्तित्व के सकारात्मक पहलुओं का

(v) 'विश्वासघात' में समास है

(क) तत्पुरुष

(ख) कर्मधारय

(ग) द्वंद्व

(घ) द्विगु

10. 'द्विवेदी जी का स्त्री-शिक्षा-सम्बन्धी लेख उनकी दूरगामी सोच का परिणाम है ।' इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्कसहित उत्तर दीजिए । *4*

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : *2×3=6*

(क) लेखिका मन्नू भंडारी को साधारण से असाधारण बनाने में 'शीला अग्रवाल' की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ के जीवन की किन घटनाओं से विदित होता है कि वे संगीत को समर्पित थे ?

(ग) 'संस्कृति' पाठ में आग एवं सुई-धागे के आविष्कार को एक बहुत बड़ी खोज माना गया है । इस खोज के प्रेरणा-स्रोत क्या रहे होंगे ? स्पष्ट कीजिए ।

12. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारू । चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।

इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं । जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।

देखि कुठारु सरासन बाना । मैं कछु कहा सहित अभिमाना ।

भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी । जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ।

सुर महिसुर हरिजन अरु गाई । हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ।

(क) 'चहत उड़ावन फूँकि पहारू' पंक्ति लक्ष्मण के किस भाव की व्यंजक है ?

(ख) 'कुम्हड़बतिआ' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि वह चौपाई में किसका प्रतीक है ।

(ग) लक्ष्मण ने परशुराम के किन हथियारों को देखा और क्या कहा ?

(घ) 'भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी' का आशय समझाइए ।

(ङ) चौपाई में लक्ष्मण के कुल की क्या विशेषता बताई गई है ?

अथवा

छाया मत छूना

मन, होगा दुख दूना

जीवन में हैं सुरंग-सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी :

तन-सुगंध शेष रही बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी ।

भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना

मन, होगा दुख दूना ।

(क) 'छाया' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ख) कवि के जीवन की सुरंग-सुधियाँ क्या हैं ?

(ग) 'छवियों की चित्र-गंध' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(घ) 'कुंतल' किसे कहते हैं ? कविता में इसका प्रयोग किसकी ओर संकेत करता है ?

(ङ) कविता में दुख के दूना होने का क्या कारण बताया गया है ?

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : $2\times5=10$

(क) राम-लक्ष्मण-परशुराम : संवाद के आधार पर लिखिए कि विनम्रता को साहस और शक्ति कैसे कहा जा सकता है ।

(ख) 'छाया मत छूना' कविता की पंक्ति 'जितना ही दौड़ा तू, उतना ही भरमाया' का क्या आशय है ?

(ग) 'कन्यादान' कविता माँ की पीड़ा को कैसे व्यक्त करती है ?

(घ) 'संगतकार' के ऊँचा सुर न करने में मानवता कैसे दिखाई देती है ?

(ङ) 'कन्यादान' कविता में वस्त्र और आभूषणों को स्त्री के लिए बंधन क्यों कहा है ?

14. 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !' पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि एक सामान्य प्राणी भी किन गुणों के कारण अति विशिष्ट हो सकता है । 4

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर संक्षेप में लिखिए : $2\times3=6$

(क) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि देश की सीमा पर फ़ौजियों को कैसी-कैसी कठिनाइयाँ झेलनी पड़ती हैं ।

(ख) टुन्नू ने दुलारी को खादी की ही धोती क्यों दी ? पठित पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए ।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को लिखने की प्रेरणा कहाँ से प्राप्त होती है ।

(घ) आज की पीढ़ी क़ुदरत की ख़ूबसूरती को बिगाड़ रही है, उसे रोकने/समझाने के लिए आप क्या करेंगे ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड घ

16. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) मेरा प्यारा मित्र

- मित्र के प्रिय लगने के कारण
- पढ़ाई-लिखाई में कुशलता
- आज्ञाकारिता और आपका ध्यान रखना

(ख) विज्ञापनों का प्रभाव

- महत्त्व
- दुष्प्रभाव
- बचाव, उपयोगिता

(ग) वन : जीवन का आधार

- वनों की वर्तमान स्थिति
- सुधार के उपाय
- हमारा योगदान

17. आपके अध्यापक ने एक नई किताब लिखी है, उनसे पुस्तक मँगाने के लिए एक अनुरोध-पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आपके क्षेत्र में अव्यवस्थित बस-सेवा से उत्पन्न असुविधाओं का उल्लेख करते हुए डिपो मैनेजर को पत्र लिखकर सुधार के लिए अनुरोध कीजिए ।